मूल्य 1 रु.

वर्ष: 12 - अंक : 79, मुंबई, शुक्रवार, 22 अप्रैल, 2022 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादक: दिलशाद एस. खान

दैनिक

मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®

अब हर सच होगा उजागर

गुजरात: कांडला बंदरगाह से 1,300 करोड़ रुपये की हेरोइन जब्त

छापेमारी में एक कंटेनर से करीब 260 किलो की मिली हेरोइन

मुंबई हलचल / संवाददाता

अहमदाबाद। गुजरात आतंकवाद निरोधी दस्ते (एटीएस) और राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) को गुरुवार को बड़ी सफलता मिली। एटीएस और डीआरआई ने राज्य के कच्छ जिले में कांडला बंदरगाह के पास स्टेशन पर एक संयुक्त अभियान में गुरुवार को छापा मारा। इस छापेमारी में एक कंटेनर से करीब 260 किलो हेरोइन मिली है। इस हेरोइन की कीमत 1,300 करोड़ रुपये आंकी जा रही है। एटीएस के एक अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। (शेष पृष्ठ 3 पर)

इससे पहले सितंबर में गुजरात में कच्छ के मुंद्रा बंदरगाह पर हेरोइन की अब तक की सबसे बड़ी खेप पकड़ी गई थी। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने अफगानिस्तान से आयात की गई दो कंटेनर से 3,000 किलो हेरोइन बरामद की थी। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत 21,000 करोड़ बताई गई थी

महाराष्ट्र पुलिस विभाग में 12 घंटे के भीतर 5 आईपीएस अधिकारियों के तबादले और प्रमोशन पर लगी रोक

महाराष्ट्र गृहविभाग ने बुधवार को पुलिस अधीक्षक (एसपी) स्तर के 11 अधिकारियों को उप महानिरीक्षक (डीआईजी) के पद पर पदोन्नत कर तबादला करने का आदेश जारी किया था। नए आदेश के अनुसार 5 आईपीएस अधिकारियों के तबादले पर रोक लगा दी

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने 20 अप्रैल को पुलिस बल में बड़ा फेरबदल किया था और आज (21 अप्रैल) को भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के 5 अधिकारियों के तबादले और प्रमोशन पर रोक लगा दी है। इन अधिकारियों में नागपुर, पिपंरी चिंचवड़, औरंगाबाद, नासिक के आईपीएस अधिकारियों के नाम शामिल हैं। खबर के मुताबिक, गृह विभाग की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि पुलिस अधीक्षक के पद से लेकर पुलिस उप महानिरीक्षक के पद तक पदोन्नति आदेश जारी किए गए थे। उक्त आदेश में पांच आईपीएस अधिकारियों की पदोन्नति के बाद नियुक्ति आदेश आगामी आदेश तक के लिए स्थगित किया जा रहा है। (शेष पृष्ठ 3 पर)

अर्जुन रामपाल की गर्लफ्रेंड का भाई गोवा में गिरफ्तार

मुंबई। मुंबई पुलिस ने अर्जुन रामपाल की गर्लफ्रेंड गैब्रिएला डेमेट्रिएड्स के भाई एगिसिलाओस डेमेट्रिएड्स को मुंबई पुलिस ने गोवा में हिरासत में ले लिया है। एगिसिलाओस डेमेट्रिएड्स के खिलाफ यह कार्रवाई पीआईटीएनडीपीएस अधिनियम के तहत की गई है। (शेष पृष्ठ 3 पर)

मुंबई में फिर बढ़े कोरोना केस

24 घंटे में 60 फीसदी वृद्धि, कड़ाई बरतने के संकेत

मुंबई। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में भी अब कोरोना के मामलों में चढ़-उतार देखा जा रहा है। 17 मार्च के बाद मंगलवार को कोरोना के नए मरीजों की संख्या में वृद्धि देखी गई है। महज 24 घंटे में नए केस में 60 फीसदी की वृद्धि हुई है। मंगलवार को कोरोना के 85 मरीज मिले हैं। इससे पहले 17 मार्च को 73 मरीज मिले थे। 17 मार्च से लेकर अब तक कभी 50 के भीतर तो कभी 50 के ऊपर केस मिल रहे थे। (शेष पृष्ठ 3 पर)

मास्क पर फिलहाल कोई फैसला नहीं

काकानी ने बताया कि बीएमसी की तरफ से समय-समय पर मुंबईकरों से मास्क का इस्तेमाल करने की अपील की जाती है। इसे फिर से अनिवार्य करने पर फिलहाल कोई निर्णय नहीं लिया गया है। मरीजों की संख्या और परिस्थिति को देखकर आगे इस पर फैसला लिया जाएगा।

बॉम्बे हाईकोर्ट का आदेश

गैर जिम्मेदाराना बयान देने से बचें सम्मानजनक पदों पर बैठे लोग

मुंबई। बॉम्बे हाईकोर्ट ने गुरुवार को कहा कि सम्मानजनक पदों पर बैठे लोगों को अन्य गणमान्य लोगों के बारे में गैर जिम्मेदाराना बयान देने से बचना चाहिए। ऐसा करके उन्हें नई पीढ़ी के लिए एक नजीर कायम करना चाहिए। जस्टसि पी बी वराले की अगुवाई वाली बेंच केंद्रीय मंत्री और बीजेपी नेता नारायण राणे की याचिका पर सुनवाई कर रही है। राणे ने पिछले साल महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के खिलाफ अपने बयान को लेकर धुले जिले में दर्ज की गई एफआईआर खारिज करने की मांग की है। (शेष पृष्ठ 3 पर)

हमारी बात

मास्क की वापसी

भारत में कोरोना के बढ़ते मामलों ने फिर कुछ पाबंदियों की वापसी करा दी है। जब लोग पाबंदियों से निकलकर सामान्य जीवन जीने लगे हैं, तब संक्रमण ने फिर अपना आतंक प्रदर्शित कर दिया है। राष्ट्रीय राजधानी में मास्क की न केवल वापसी हो गई है, बल्कि मास्क न पहनने वालों को 500 रुपये जुर्माना भी देना पड़ेगा। दिल्ली डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी की बैठक में बुधवार को यह कड़ा फैसला लेते हुए मास्क को अनिवार्य कर दिया गया है। एक चर्चा तो स्कूलों को लेकर भी थी कि क्या संक्रमण पर अंकुश के लिए स्कूलों को फिर से ऑनलाइन कर दिया जाए। बमुश्किल घरों से निकले बच्चों से ज्यादा उनके अभिभावकों को चिंता हो रही है, क्योंकि किसी-किसी दिन बच्चों में संक्रमण ज्यादा दिख रहा है। पिछले सप्ताह कुछ स्कूलों को बंद भी करना पड़ा था। बहरहाल, फैसला हुआ है कि स्कूल अभी खुले रहेंगे। स्कूलों को खोले रखना जरूरी ही नहीं, मजबूरी भी है। पढ़ाई का जो नुकसान हुआ है, उसकी भरपाई आसान नहीं है। इसके अलावा, स्कूलों का प्रबंधन भी प्रभावित हुआ है, वर्तमान स्कूली ढांचे के तहत स्कूलों के लिए ऑफलाइन होना गंभीर अनिवार्यता है। दिल्ली में आगामी दिनों में विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए जाएंगे। डॉक्टर हालात पर कड़ी नजर रखे हुए हैं। बैठक में यह भी चर्चा हुई है कि अभी कोरोना के मामले ऐसे नहीं हैं कि अस्पताल में भर्ती होने की जरूरत पड़े। जो बच्चे संक्रमित हुए हैं, उनमें से ज्यादातर का इलाज घर में ही चल रहा है। अतः स्कूल और आपदा प्रबंधन से जुड़े लोग अभी संक्रमण की रफ्तार जांचने के पक्ष में हैं। अगले 15 दिन अस्पतालों में मरीजों के भर्ती होने के अनुपात को समझा जाएगा। आरटी-पीसीआर टेस्ट में संक्रमित पाए जाने वाले सभी सैंपल की जीनोम सिक्वेंसिंग कराने का भी फैसला किया गया है। जांच भी बढ़ाई जाएगी, पर इसके लिए लोगों को स्वयं आगे आना होगा। चिकित्सा महकमे को देखना होगा कि जांच की सुविधाओं में कमी नहीं आनी चाहिए। कई बार लोग जांच की परेशानी से बचते हुए ही उपचार को तरजीह देते हैं। जबकि जांच और उसके परिणाम संक्रमण की प्रवृत्ति पर नजर रखने के लिए जरूरी हैं। सरकार ने फैसला लिया है कि लक्षण वाले सभी लोगों की जांच कराई जाएगी, तो इसके लिए जगह-जगह सरकारी अस्पतालों में इंतजाम भी पूरे रखने होंगे। दूसरी गंभीर बीमारियों से पीड़ित लोगों पर भी नजर रखने का फैसला उपयोगी है, क्योंकि कोरोना से गुजर चुके लोग बड़ी संख्या में तरह-तरह की बीमारियों से पीड़ित हो रहे हैं। फिर दिल्ली की बात करें, तो मंगलवार को कोरोना संक्रमण के 632 नए मामले सामने आए हैं। संक्रमण दर अभी भी चिंता की वजह है। 11 से 18 अप्रैल के बीच दिल्ली में दैनिक मामलों में लगभग तीन गुना वृद्धि देखी गई है, इसलिए दिल्ली को देश में कोरोना के नए केंद्र के रूप में देखा जा रहा है। अतः कड़ाई समय की मांग है, ताकि लॉकडाउन के बाद पूरी रफ्तार पकड़ चुके राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में स्थिति हाथ से नहीं निकले। डॉक्टरों का पहले से मानना रहा है कि कमजोर स्वास्थ्य के लोगों को हमेशा मास्क पहनना चाहिए। बेशक, स्कूल खुले रहेंगे, लेकिन स्कूलों को पूरी सावधानी और चौकसी का परिचय देना होगा। दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और मिजोरम की सरकारों को केंद्र की ओर से सचेत भी किया गया है। मतलब, कोरोना से लड़ाई को अभी कतई खत्म नहीं मानना चाहिए।

कोरोना से सचमुच कितने लोग मरे!

एक तरफ सरकार के लोग बताते हैं कि दुनिया में भारत की प्रतिष्ठा बढ़ी है और अब भारत की बात गंभीरता से सुनी जाती है और दूसरी ओर कह रहे हैं कि सारी दुनिया भारत के खिलाफ साजिश कर रही है? दोनों बातें एक साथ नहीं हो सकती हैं। असल में यह कोई साजिश नहीं है, बल्कि यह हकीकत है, जो भारत में भी कुछ अखबारों, पत्रिकाओं, गैर सरकारी संस्थाओं आदि के आकलन से जाहिर हो चुकी है। इसलिए भारत को सचाई स्वीकार करके ज्यादा से ज्यादा पीड़ित परिवारों को राहत मुहैया करानी चाहिए और ऐसी पारदर्शी व्यवस्था बनानी चाहिए, जिससे आंकड़ों की विश्वसनीयता संदिग्ध न हो।

यह यक्ष प्रश्न बन गया है कि कोरोना वायरस के संक्रमण से भारत में कितने लोगों की मौत हुई? बुधवार 20 अप्रैल की सुबह तक भारत सरकार के आधिकारिक आंकड़े के मुताबिक पांच लाख 22 हजार छह लोगों की मौत कोरोना वायरस के संक्रमण से हुई है। मरने वालों की संख्या के लिहाज से अमेरिका और ब्राजील के बाद भारत दूसरे स्थान पर है और दुनिया भर में हुई 62 लाख 28 हजार से ज्यादा मौतों में भारत का हिस्सा 12 फीसदी है। लेकिन क्या सचमुच भारत में दो साल की महामारी में इतने ही लोग मरे? यह सवाल इसलिए है क्योंकि दुनिया इस आंकड़े को नहीं मान रही है। विश्व स्वास्थ्य संगठन से लेकर दुनिया की तमाम वैज्ञानिक संस्थाएं, जर्नल्स, अखबार, पत्रिकाएं, गैर सरकारी संस्थाएं इस आंकड़े को स्वीकार नहीं कर रही हैं। उनका आकलन है कि भारत में जो संख्या बताई जा रही है उससे आठ गुना ज्यादा यानी करीब 40 लाख मौतें हुई हैं।

अब सवाल है कि दुनिया कैसे इस निष्कर्ष पर पहुंची और सचाई कैसे सामने आएगी? इसके लिए सबसे पहले मौतों का आकलन करने के वैश्विक मॉडल और भारत सरकार के मॉडल के फर्क को समझना होगा। ध्यान रहे भारत सरकार ने विश्व स्वास्थ्य संगठन यानी डब्लुएचओ और दूसरी विश्व संस्थाओं के मॉडल में कमी निकाली है। लेकिन वह एक सरकारी नजरिया है, जिस पर वस्तुनिष्ठ तरीके से विचार करने की जरूरत है। डब्लुएचओ या दूसरी वैश्विक संस्थाओं का मॉडल बहुत सरल है। उन्होंने हर साल होने वाली मौतों का औसत आंकड़ा लिया और कोरोना महामारी की अवधि में हुई मौतों की संख्या के आंकड़े को उसके बरक्स रखा। मौत के सालाना औसत आंकड़े से ज्यादा जितनी भी मौतें कोरोना काल में हुई हैं, उनको कोरोना से हुई मौत माना गया। इसके उलट सरकार सिर्फ उन्हीं मौतों को कोरोना से हुई मौत मान रही है, जिनमें मौत का कारण कोविड-19 का संक्रमण दर्ज किया गया है। भारत सरकार कह रही है कि डब्लुएचओ का मॉडल गड़बड़ है लेकिन असल में सरकार के मॉडल में कमी है। सरकार मृत्यु प्रमाणपत्र में दर्ज कारण के आधार पर गिनती कर रही है। लेकिन सबको पता है कि भारत में शहरी इलाकों में ही मृत्यु का पंजीयन होता है या मृत्यु प्रमाणपत्र बनाया जाता है। छोटे शहरों और कस्बों में भी ऐसा नहीं होता है। ऊपर से कोरोना महामारी में जितने लोग अस्पताल में इलाज के लिए गए उससे कई गुना ज्यादा लोग अस्पताल नहीं जा सके और घरों में दम तोड़ दिया। गांवों में इस तरह की अनगिनत मौतें हुईं। गंगा किनारे शव दफनाए जाने या गंगा नदी में शव बहाए जाने की तस्वीरें और वीडियो सारी दुनिया ने देखे। क्या ये सारी मौतें सरकार के खाते में दर्ज हुई हैं? देसी और विदेशी दोनों मीडिया ने श्मशानों के बाहर शवों की कतार दिखाई और चिता जलाए जाने के लिए 24 घंटे या उससे भी ज्यादा के इंतजार की खबरें दीं। गैर सरकारी संस्थाओं ने हजारों शवों के अंतिम संस्कार कराए। शहरों के श्मशानों में जगह कम पड़ गई तो शहर से दूर छोटे कस्बों में जाकर लोगों को अपने परिजनों का अंतिम संस्कार करना पड़ा। इस तरह की घटनाओं और इनकी मीडिया कवरेज का इशारा भी इस तरफ है कि असली संख्या वह नहीं है, जो सरकार बता रही है।

सरकार मान रही है कि किसी व्यक्ति को कोरोना का संक्रमण हुआ और जिस दिन संक्रमण का पता चला उसके बाद एक निश्चित अवधि के भीतर उसकी मौत हो गई, वहीं असल में कोरोना से मरा है। क्या इससे वास्तविक तस्वीर सामने आ सकती है? अनेक लोगों की मौत कोरोना का संक्रमण ठीक होने के कई महीने बाद हुई। लांग कोविड की वजह से अभी तक लोग मर रहे हैं। अनेक लोगों में कोरोना संक्रमित होने के लक्षण नहीं दिखे और मौत हो गई। अनेक लोग इलाज के लिए अस्पताल नहीं जा सके और उनकी मृत्यु हो गई। अनेक लोग दूसरी बीमारियों से ग्रसित थे, जिन्हें कोरोना महामारी की वजह से अस्पतालों में जगह नहीं मिली, इलाज नहीं मिल सका और वे मर गए। क्या ऐसी सारी मौतें कोरोना के खाते में नहीं लिखी जानी चाहिए? ध्यान रहे किसी एक संस्था ने यह निष्कर्ष नहीं निकाला है कि भारत में 30 या 40 लाख या उससे भी ज्यादा मौतें हुई हैं। अलग अलग संस्थाओं ने अलग अलग तरीकों का इस्तेमाल करके अपने अपने निष्कर्ष निकाले हैं और हैरानी की बात है हर निष्कर्ष यहीं बताता है कि भारत में जितनी मौतें बताई जा रही हैं, असल में उससे छह से आठ गुना ज्यादा मौतें हुई हैं। सबसे पहले दुनिया की प्रतिष्ठित पत्रिका 'साइंस' ने जनवरी में बताया कि भारत में कोरोना की वजह से 30 लाख से ज्यादा मौतें हुई हैं। इसके बाद दूसरी प्रतिष्ठित पत्रिका 'लैंसेट' ने बताया कि भारत में 40 लाख या उससे ज्यादा मौतें हुई हैं। इसके मुताबिक दुनिया भर में जो 'एक्सेस डेथ' हुई है यानी हर साल होने वाली औसत मौतों से ज्यादा जो मौतें हुई हैं उनमें से एक चौथाई मौत सिर्फ भारत में हुई है। इसके मुताबिक अमेरिका, ब्राजील, मेक्सिको और रूस में जितनी 'एक्सेस डेथ' हुई है, उससे ज्यादा अकेले भारत में हुई है। भारत के आंकड़ों को लेकर यह भी निष्कर्ष है कि भारत ने वास्तविक संख्या से आठ गुना कम संख्या बताई है, जबकि वैश्विक औसत तीन गुने का है। यानी दुनिया में जितनी संख्या बताई गई है, उससे तीन गुना ज्यादा मौत हुई है, जबकि भारत के आंकड़ों से आठ गुना ज्यादा मौतें भारत में हुई हैं। तीसरी रिपोर्ट विश्व स्वास्थ्य संगठन की है, जिसका प्रकाशन अभी नहीं हुआ है और जिस पर भारत ने सवाल उठाया है। डब्लुएचओ की रिपोर्ट के मुताबिक भारत में कोरोना वायरस की महामारी की वजह से 40 लाख से ज्यादा मौतें हुई हैं।

भारत में इन दिनों यह चलन हो गया है कि विश्व संस्थाओं का जो आंकड़ा अपने अनुकूल नहीं होता है उसे खारिज कर दिया जाता है और जिसमें सरकार की तारीफ होती है उसकी वाह-वाही की जाती है। इसी चलन के मुताबिक 'साइंस', 'लैंसेट' और डब्लुएचओ के आंकड़ों पर सवाल उठाया जा रहा है। सवाल है कि क्या सारी दुनिया की बौद्धिक जमात और विश्व संस्थाएं मिल कर भारत के खिलाफ साजिश कर रही हैं, जो उसके आंकड़े बढ़ा-चढ़ा कर बता रही हैं? एक तरफ सरकार के लोग बताते हैं कि दुनिया में भारत की प्रतिष्ठा बढ़ी है और अब भारत की बात गंभीरता से सुनी जाती है और दूसरी ओर कह रहे हैं कि सारी दुनिया भारत के खिलाफ साजिश कर रही है? दोनों बातें एक साथ नहीं हो सकती हैं। असल में यह कोई साजिश नहीं है, बल्कि यह हकीकत है, जो भारत में भी कुछ अखबारों, पत्रिकाओं, गैर सरकारी संस्थाओं आदि के आकलन से जाहिर हो चुकी है। इसलिए भारत को सचाई स्वीकार करके ज्यादा से ज्यादा पीड़ित परिवारों को राहत मुहैया करानी चाहिए और ऐसी पारदर्शी व्यवस्था बनानी चाहिए, जिससे आंकड़ों की विश्वसनीयता संदिग्ध न हो।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन: **9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादकः **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

बार और रेस्टोरेंट में अब नहीं दिखेंगे भगवान के नामों का लगा हुआ बोर्ड

विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ता आशीष कनौजिया

संवाददाता/समद खान

मुंब्रा। मुंब्रा शहर के विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ता आशीष कनौजिया द्वारा बार और रेस्टोरेंट पर भगवानों के नामों के बोर्ड को हटाए जाने की मांग राज्य सरकार से की जा रही है इस मामले में पत्रकारों से बात करते हुए आशीष कनौजिया ने बताया की कि मैं अक्सर देखता था की बार और रेस्टोरेंट पर भगवान के नाम से बोर्ड लगाया जा रहा था जैसे कि कोई दुर्गा पैलेस बार एंड रेस्टोरेंट, शिव पैलेस, हनुमान बार एंड रेस्टोरेंट, श्री कृष्णा पैलेस, साईं कृपा बार एंड रेस्टोरेंट, साईं पैलेस, इस तरह के भगवान के नामों के बोर्ड बार एंड रेस्टोरेंट के मालिकों द्वारा लगाए जा रहे थे इस पर मुझे विचार आया कि यह कहीं ना कहीं भगवान के नाम बार एंड रेस्टोरेंट पर सही नहीं है इस संदर्भ में मैंने राज्य सरकार को 23 दिसंबर 2021 को कोरोना काल का समय चल रहा था तब मैंने ई-मेल द्वारा यह तमाम जानकारी दी और निवेदन किया कि जो भी बार और रेस्टोरेंट पर भगवान के नामों के बोर्ड लगा रहा है उसे निकाल दिया जाए इस मामले में राज्य सरकार के उपमुख्यमंत्री अजित दादा पवार के कार्यालय से मुझे उसी दिन जवाब आया और उनके कार्यालय से फोन कर मुझसे इस विषय पर मुझसे चर्चा की और उन्होंने आश्वासन दिया की बहुत जल्दी इस पर निर्णय लिया जाएगा और अभी 7 अप्रैल गुरुवार 2022 को दो हफ्ते पहले ही राज्य सरकार ने आदेश जारी कर दिया है सभी बार एंड रेस्टोरेंट के मालिकों को 30 जून 2022 तक अल्टीमेटम दिया गया है अपने बारे और रेस्टोरेंट पर भगवान के नामों से लगे हुए बोर्ड को उतार दे और अगर इसकी अवहेलना की तो उस बार एंड रेस्टोरेंट के मालिक पर कार्रवाई की जाएगी उन्होंने राज्य सरकार द्वारा दिए गए अल्टीमेटम का आभार प्रकट करते हुए समस्त बार एंड रेस्टोरेंट मालिक को से निवेदन किया है कृपा भगवान के नामों से लगे हुए बोर्ड को आप उतार दें उन्होंने बताया कि हमारे सनातन धर्म में और हिंदू लोगों में यह बहुत बड़ी समस्या है लोगों को ऐसा लगता है कि भगवान के नाम पर बोर्ड लगा देने से हमारा बार और रेस्टोरेंट चलेगा ऐसा नहीं है ऐसे बोर्ड लगाने से कहीं ना कहीं हिंदू धर्म के लोगों की आस्था को ठेस पहुंच रही है अगर बार मालिकों द्वारा नाम उनके बच्चों उनके पिताजी के नाम से बोर्ड जैसी कृष्णा बार एंड रेस्टोरेंट लगाए जा रहे हैं यह भी ठीक नहीं है यह उन बार मालिकों को जान लेना चाहिए यह नाम भगवान का है और भगवान के नाम किसी बार एंड रेस्टोरेंट पर बोर्ड के स्वरूप में लगे यह हम लोगों की भावनाओं को ठेस पहुंचाने का काम करता है।

भिवंडी नरपोली पुलिस स्टेशन के हत्थे चढ़े गोडाउन से काजू बदाम और तेल की चोरी करने वाले

संवाददाता/समद खान

भिवंडी। भिवंडी नरपोली पुलिस स्टेशन की हद में आने वाला वडगांव भिवंडी दपाड़ा रोड पर यूनिवर्सल कारपोरेशन के वेयरहाउस गोडाउन से काजू बादाम और तेल की चोरी करने का मामला प्रकाश में आया है इस मामले में पुलिस द्वारा मिली जानकारी के अनुसार गत 7 अप्रैल गुरुवार को यूनिवर्सल कारपोरेशन वेयर हाउस गोडाउन से काजू बदाम और छे टन तेल तकरीबन 20 लाख रुपए की चोरी की गई जैसी ही गोदाम मालिक को अपने गोदाम में हुई चोरी का पता चला तो उन्होंने तुरंत इस चोरी की घटना की शिकायत भिवंडी नरपोली पुलिस स्टेशन में 14 अप्रैल गुरुवार

को की उसके बाद डिटेक्शन ब्रांच के एपीआई चेतन पाटील ने इस केस की छानबीन शुरू की सीसीटीवी कैमरे खंगाले गए टेक्निकली जांच और खबरी द्वारा जानकारी हासिल करना पर 18 अप्रैल सोमवार को पुलिस ने इसी यूनिवर्सल कारपोरेशन वेयरहाउस गोडाउन में काम करने वाले चार आरोपी को गिरफ्तार कर किया जिसके बाद उनसे कथित तौर पर पूछताछ करने के बाद उनकी निशानदेही पर 17 लाख रुपए कीमत का काजू बादाम और 5 टन तेल बरामद किए चोरी किया गया वह माल का 90% माल पुलिस ने बरामद कर लिया है इस मामले में बताया गया इन कर्मचारी द्वारा डुप्लीकेट गोडाउन की चाबी बनाकर इन लोगों ने चोरी जैसे संगीन वारदात को अंजाम दिया पुलिस द्वारा बताया जा रहा है कुल मिलाकर पांच आरोपी इस मामले में लिप्त बताया जा रहे हैं जिसमें 4 की गिरफ्तारी नरपोली पुलिस स्टेशन द्वारा की जा चुकी है और अन्य एक आरोपी को गिरफ्तार करना बाकी है उनकी गिरफ्तारी के बाद बचा हुआ माल भी बरामद कर लिया जाएगा फिलहाल पुलिस ने इन चारों लोगों के विरुद्ध में विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर फरार आरोपी की सरगर्मी से तलाश शुरू कर दी है।

दिवा शहर में बढ़ती पानी की किल्लत को देखते हुए बीजेपी द्वारा किया गया मटका फोड़ों आंदोलन

संवाददाता/समद खान

दिवा। शहर में बढ़ती आबादी को देखते हुए हो रही पानी की किल्लत से जूझ रही रहवासियों द्वारा लगातार शिकायतें बीजेपी कार्यालय तक पानी की समस्याएं को लेकर पहुंच रही थी इस को मद्देनजर रखते हुए बीजेपी के विधायक रविंद्र चौहान संजय केलकर निरंजन डावकरें के नेतृत्व में मटका फोड़ों आंदोलन निकाला गया यह आंदोलन दिवा शहर के तमाम लोगो द्वारा यह आंदोलन थाने के नितिन कंपनी से लेकर मनपा

आयुक्तालय तक पदयात्रा कर पहुंचा दरअसल आपको बता दें कि आंदोलन करने का कारण यह है काफी समय से दिवा शहर में बढ़ती आबादी को देखते हुए पानी की किल्लत जरूरत से ज्यादा नजर आ रही है जिससे रहवासियों गर्मी के मौसम में बिना पानी के रहना उनकी जिंदगी को बदहाल कर रहा है शहर वासियों की दिक्कतों को देखते हुए बीजेपी द्वारा या मटका फोड़ों आंदोलन किया गया अब देखना यह है कि आंदोलन का असर कितना मनपा प्रशासन पर पड़ता है या यूं ही दिवा शहर वासियों को पानी की किल्लत से जूझना पड़ेगा यह तो समय ही बताएगा।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

गुजरातः कांडला बंदरगाह से 1,300 करोड़ रुपये की हेरोइन जब्त

इससे पहले पिछले साल सितंबर में राज्य के मुंद्रा बंदरगाह पर दो कंटेनरों से 21,000 करोड़ रुपये मूल्य की 2,988 किलोग्राम हेरोइन जब्त की गई थी। जिसके कुछ महीने बाद यह घटनाक्रम सामने आया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि मुखबिर की एक गुप्त सूचना के आधार पर एटीएस के अधिकारियों ने डीआरआई के लोगों के साथ कांडला बंदरगाह के पास एक कंटेनर स्टेशन पर छापा मारा। इस कार्रवाई में 260 किलोग्राम हेरोइन मिली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में ये हेरोइन 5 करोड़ रुपये प्रति किलोग्राम के हिसाब से बेची जाती है। इससे पहले सितंबर में गुजरात में कच्छ के मुंद्रा बंदरगाह पर हेरोइन की अब तक की सबसे बड़ी खेप पकड़ी गई थी। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने अफगानिस्तान से आयात की गई दो कंटेनर से 3,000 किलो हेरोइन बरामद की थी। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत 21,000 करोड़ बताई गई थी।

महाराष्ट्र पुलिस विभाग में 12 घंटे के भीतर 5 आईपीएस अधिकारियों के तबादले और प्रमोशन पर लगी रोक

विभाग ने बुधवार को पुलिस अधीक्षक (एसपी) स्तर के 11 अधिकारियों को उप महानिरीक्षक (डीआईजी) के पद पर पदोन्नत कर तबादला करने का आदेश जारी किया था। नए आदेश के मुताबिक, इनमें से आईपीएस अधिकारी राजेंद्र माने (डीसीपी, राज्य खुफिया विभाग), महेश पाटिल (डीसीपी, अपराध, मीरा-भयंदर), संजय जाधव (एसपी, राजमार्ग सुरक्षा), पंजाबराव उगाले (एसपी, एसीबी, ठाणे) और दत्तात्रेय शिंदे (एसपी, पालघर) की पदोन्नति तैनाती पर रोक लगा दी गई है। पांचों अधिकारियों की पदोन्नति और तैनाती रोकने के कारण का फौरन पता नहीं चल सका है।महाराष्ट्र में महा विकास आघाडी सरकार है जिसमें गृह विभाग शरद पवार नीत राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के पास है। राज्य सरकार ने बुधवार को नासिक के पुलिस आयुक्त दीपक पांडे और पिंपड़ी-चिंचवड़ के आयुक्त कृष्ण प्रकाश सहित लगभग 40 वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को पदोन्नत दी थी या उन्हें स्थानांतरित किया था। राज्य पुलिस बल में कल (20 अप्रैल) बड़ा फेरबदल हुआ। नागपुर, पिंपरी चिंचवड़, औरंगाबाद, नासिक से कई अधिकारियों का तबादला किया गया है।

अर्जुन रामपाल की गर्लफ्रेंड का भाई गोवा में गिरफ्तार

बता दें कि इस अधिनियम के तहत किसी भी व्यक्ति के खिलाफ नशीले पदार्थों और नशीले पदार्थों के अवैध व्यापार में लिप्त होने से रोकने के लिए आदेश पारित किया जाता है। एगिसिलाओस डेमेट्रिएड्स के खिलाफ नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) मुंबई ने पिछले साल 21 सितंबर को नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस (पीआईटीएनडीपीएस) अधिनियम के तहत एक आदेश जारी किया गया था। इसके बाद डेमेट्रियड्स ने इस साल 28 मार्च को बॉम्बे हाईकोर्ट की गोवा पीठ में आदेश को चुनौती दी थी लेकिन उनकी याचिका को अदालत ने खारिज कर दिया था। एगिसिलाओस डेमेट्रिएड्स हाई कोर्ट के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का रुख किया, लेकिन के मंगलवार को शीर्ष अदालत ने भी उनकी आवेदन को खारिज कर दिया। इसके बाद हिरासत के आदेशानुसार एगिसिलाओस डेमेट्रिएड्स मुंबई पुलिस ने गुरुवार को उनको गोवा में हिरासत में ले लिया।

मुंबई में फिर बढ़े कोरोना केस

हालांकि राहत की बात यह है कि मंगलवार को मिले 85 मरीजों में से किसी में भी कोरोना के लक्षण नहीं हैं और न ही किसी को अस्पताल में भर्ती करने की जरूरत पड़ी है। बता दें कि देश के कुछ राज्यों में कोरोना मरीजों की संख्या बढ़ती हुई दिखाई दे रही है, लेकिन मुंबई में स्थिति विपरीत है। यहां कभी मामले बढ़ रहे हैं, तो कभी घट रहे हैं। बीएमसी के अतिरिक्त आयुक्त सुरेश काकानी ने बताया कि हमारी नजर रोजाना मिलने वाले केसेस पर बनी हुई है। अगर मामले इसी तरह आगामी दो से तीन दिन तक बढ़ते हुए दिखे, तो हम अपनी नीतियों में बदलाव कर सकते हैं। मामले बढ़ते हैं, तो स्क्रीनिंग से लेकर टेस्टिंग बढ़ा दी जाएगी। अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर टेस्टिंग का प्रोटोकॉल केंद्र सरकार के दिशानिर्देश पर लिया जाएगा।

बॉम्बे हाईकोर्ट का आदेश

कोर्ट ने महाराष्ट्र सरकार से भी जानना चाहा कि क्या पुलिस यह बयान देने की इच्छुक है कि वह राणे के खलिाफ दंडात्मक कार्रवाई से परहेज करेगी। हाईकोर्ट ने कहा कि सम्मानजनक पदों पर बैठेव्यक्तियों को अन्य गणमान्य लोगों के बारे में गैर जिम्मेदाराना बयान देने से बचना चाहिए...क्यों याचिकाकर्ता (राणे) अदालत में आकर यह नहीं कहते हैं कि जो हो गया, वह हो गया? हम सभी के प्रति सम्मानजनक होने का फैसला करें।

दैनिक मुंबई हलचल — अब हर सच होगा उजागर | 5

मानहानि मामला: ठाणे की अदालत का शिकायतकर्ता पर जुर्माना

राहुल गांधी को 1000 हजार रुपये देने को कहा

मुंबई हलचल / संवाददाता

ठाणे। महाराष्ट्र के ठाणे जिले के भिवंडी की एक अदालत ने गुरुवार को शिकायतकर्ता को राहुल गांधी के खिलाफ दायर मानहानि मामले में केस स्थगन की मांग के लिए कांग्रेस नेता को 1,000 रुपये का भुगतान करने का आदेश दिया। न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी (जेएमएफसी) जे वी पालीवाल ने स्थानीय आरएसएस कार्यकर्ता राजेश कुंटे को राहुल गांधी को राशि का भुगतान करने का आदेश दिया। कुंटे ने स्थगन की मांग करते हुए एक आवेदन दिया था, जिसे अदालत ने खारिज कर दिया और उस पर 1,000 रुपये का जुर्माना लगाया। राहुल गांधी के वकील नारायण अय्यर ने कहा कि अदालत ने सुनवाई की अगली तारीख 10 मई तय की है जब शिकायतकर्ता से पूछताछ की जाएगी। कुंटे ने 2014 में ठाणे के भिवंडी बस्ती में राहुल गांधी का भाषण देखने के बाद उनके खिलाफ मामला दर्ज कराया था। यहां कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया था कि महात्मा गांधी की हत्या के पीछे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) का हाथ था। कुंटे ने दावा किया था कि इस बयान से आरएसएस की प्रतिष्ठा को ठेस पहुंची है। 2018 में ठाणे की एक अदालत ने इस मामले में राहुल गांधी के खिलाफ आरोप तय किए थे।

मलकापुर पुलिस की कार्रवाई

आठ महीनों के दौरान चोरी, खोएं हुए तीन लाख रुपये कीमत के 19 मोबाइल जब्त

संवाददाता/अशफाक युसुफ

बुलढाणा। 15 अगस्त से अब तक इन आठ महीनों के दौरान चोरी और खोए हुवे 3 लाख रुपये मूल्य के 19 मोबाइल फोन जब्त किए गए हैं। साथ ही लूट के आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 5 लाख 11 हजार रुपये का माल जब्त किया गया है। इसके अलावा चोरी के दो मामले उजागर हुए हैं और 63,000 रुपये का माल जब्त किया गया है। अवैध कारोबारियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई के बाद शहर के नौ अपराधियों को तडीपार किया गया है। यह कार्रवाई शहर पुलिस ने की है। पोलिस अधीक्षक अरविंद चावरिया, अपर पोलिस अधीक्षक - श्रवण दत्त, उपविभागीय पोलिस अधिकारी अमोल कोळी इन के मार्गदर्शन में थानेदार विजय सिंह राजपूत, डी. बी, पथक के सहायक पोलिस निरीक्षक सुखदेव भोरकडे पोलिस कर्मचारी संजय पढार, संतोष कुमावत, आसिफ शेख, प्रमोद राठोड, अनिल डागोर, सलीम वर्डे व गोपाल तारुळकर इन्होने 2021 से, उन्होंने साइबर पुलिस की मदद से 3 लाख रुपये के 19 मोबाइल फोन का पता लगाया और उन्हें जब्त किया।

कानपुर में इस बार धूमधाम से मनाई जाएगी ईद, ईदगाहों की साफ सफाई जारी

कोरोना के चलते 2 साल से धूमधाम से नहीं मनाई जा सकी ईद

संवाददाता/सुनील बाजपेई

कानपुर। यहां जानलेवा कोरोनावायरस के बीच 2 साल ईद के त्यौहार को दो साल बड़ी ईद गाह समेत अन्य सभी मस्जिदों में नमाज पढ़कर नहीं मनाया जा सका, लेकिन इस बार ईद का त्यौहार बहुत धूमधाम से मनाने की तैयारी की जा रही है। इसके लिए सभी ईद गाहों में साफ सफाई का कार्य भी लगातार जारी है। कुल मिलाकर इस बार की ईद में ईदगाह दो साल के बाद नमाजियों से गुलजार होगी। ईद पर लाखों लोग सामूहिक रूप से नमाज अदा करेंगे। इसके लिए यहां बेनाझाबर स्थित ईदगाह में नमाज को लेकर तैयारी शुरू हो गई हैं। ईदगाह परिसर में सफाई की जा रही है। चांद निकलने पर ईद दो अथवा तीन मई को होगी। याद रहे कि कोरोना की पाबंदियों के फलस्वरूप दो वर्षो से रमजान में न तो बाजार लग पा रही थी और न ही सार्वजनिक रूप से सामूहिक नमाज हो पा रही थी। मतलब कोरोना की वजह से बीते 2 सालों से ईद पर भी घरों में नमाज अदा की गई थी। यहां तक कीकोरोना संक्रमण के दौरान लाकडाउन की वजह से ईद पर बेनाझाबर स्थित बड़ी ईदगाह को बंद कर ताला लगा दिया गया था। लेकिन इस साल कोरोना वाली बंदिशें न होने से रमजान में चहल-पहल दिखाई दे रही है। साफ सफाई का कार्य जोरों से चल रहा है। जिसके चलते इस बार की ईद बहुत धूमधाम से होने की उम्मीद है।

पदमपुर में पुलिस ने वर्दी की धौंस में पत्रकार के भांजे के भाई के साथ की अभद्रता

पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज करने से किया इनकार, मीडिया के दखल से एसएचओ ने दर्ज की एफआईआर

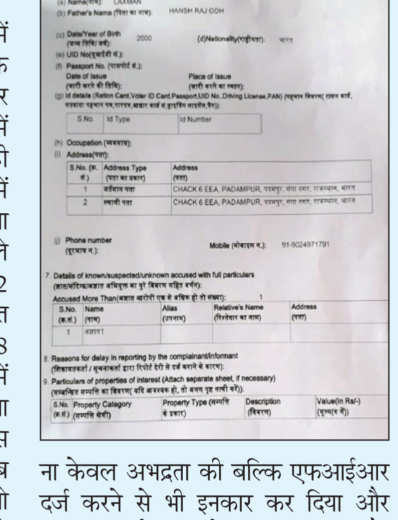

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। वैसे तो वर्दी की धौंस में खाकी के जनता के साथ अभद्रता करने के मामले यदाकदा सामने आते रहते हैं! मगर पदमपुर में वर्दी की धौंस और दादागिरी में पुलिस सारी मर्यादाएँ लांघ चुकी हैं! ऐसा ही एक मामला श्रीगंगानगर जिले के पदमपुर में बेरहम खाकी का घृणित चेहरा सामने आया हैं! घटनाक्रम के अनुसार श्रीगंगानगर जिले की पदमपुर तहसील के 6ईईए गाँव का 22 वर्षीय युवक रामचन्द्र पुत्र हंसराज राजपूत बाईक और कार नंबर HR05A 05168 की आमने सामने की जबरदस्त भिड़ंत में स्थानीय पत्रकार सुश्री पुष्पा भाटी का भानजा रामचन्द्र गंभीर रूप से घायल हो गया हैं! इस मामले की जब घायल रामचन्द्र का भाई जब पदमपुर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराने पहुँचा तो थाने में कार्यरत हैड कांस्टेबल शंकर नाथ ने ना केवल अभद्रता की बल्कि एफआईआर दर्ज करने से भी इनकार कर दिया और अभद्रता करते हुए उसे भगा दिया गया और इससे पहले थाने में कार्यरत हैड कांस्टेबल शंकर नाथ उसे सही गलत के बारे में कानून का पाठ पढ़ाने लगे! मगर सही गलत का फैसला तो अदालत करती हैं और पुलिस को आखिर ये अधिकार किसने दिया हैं? लेकिन जब मुंबई हलचल के राजस्थान संपादक व आवाज न्यूज 24 चैनल के भीलवाड़ा ब्यूरो चीफ भैरु सिंह राठौड़ ने पदमपुर थाने के एसएचओ रामकेश मीणा से हैड कांस्टेबल शंकर नाथ की लापरवाही की बात करते हुए वार्तालाप किया तब मीडिया के दबाव में आने पर एसएचओ रामकेश मीणा ने एफआईआर दर्ज कराई और एसएचओ रामकेश मीणा ने पत्रकार राठौड़ से अपने बाहर होने की बात करते हुए हैड कांस्टेबल शंकर नाथ की ऐसी लापरवाही के बारे में कहा कि अगर ऐसा हैड कांस्टेबल शंकर नाथ ने किया हैं तो बहुत ही गलत किया हैं और आगे ऐसी गलती नहीं होने की बात कही! पर सवाल उठता हैं जब मीडिया वाले के परिवार वाले के साथ खाकी वाले ऐसा बर्ताव करते हैं तो आम जनता के साथ किस तरह पेश आते होगें इसका अंदाजा सहज ही लगाया जा सकता हैं! पदमपुर में मीडिया वाले के साथ खाकी की ऐसे रवैये से पत्रकारों में रोष हैं।

अच्छे स्वास्थ्य के लिए हीमोग्लोबिन का संतुलन आवश्यक: डॉ. सुषमा आर्या

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के तत्वावधान में 'जीवन रक्षक हीमोग्लोबिन' विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया। यह कोरोना काल में 387 वां वेबिनार था। मुख्य वक्ता डॉ. सुषमा आर्या (आयुवेर्दाचार्या) ने कहा कि हिमोग्लोबिन रक्त का एक भाग है। रक्त एक कोलाइड है जैसे चाय कोलाइड है अर्थात कई चीजों का मिश्रण। ऐसे ही रक्त भी मिश्रण है उसमें चार चीजों का संगम हैं। प्लाज्मा, रेड ब्लड सेल्स,वाइट ब्लड सेल्स और प्लेटलेट्स इन चारों का शरीर के स्वास्थ्य में शत प्रतिशत योगदान है। रक्त पूरे शरीर में परिसंचरण करता हैं! पूरे शरीर को जोड़कर रखता है शरीर का ताप नियंत्रित करता हैं। उत्सर्जीत पदार्थों को किडनी तक पहुंचाता हैं और पोषक तत्वों को पूरे शरीर में पहुंचाता हैं। मांसपेशियों को मजबूत रखता हैं। स्प्लीन में रक्त इकट्ठा रहता हैं। रक्त के आरबीसी भाग से हिमोग्लोबिन का संबंध है हीमोग्लोबिन कम होने से शरीर में आयरन कम हो जाता हैं और आयरन की कमी से ऑक्सीजन की कमी हो जाती हैं, जीभ सूजने लगती हैं, सांस में लेने में दिक्कत होती है,कमजोरी का अनुभव होता हैं, सीने में जलन होती है, थकान होती है, मांसपेशियों की कमजोरी, त्वचा का रंग पीला पड़ने लगता है, अधिक ठंड लगने लगती हैं, पैरों के तलवे और हथेली में जलन होने लगती हैं जब आयरन कम हो जाता हैं तो शरीर शिथिल हो जाता हैं रक्त में हीमोग्लोबिन की मात्रा ठीक बनाए रखने के लिए पालक का सेवन अत्यंत अनिवार्य है क्योंकि पालक में विटामिन ए,सी,बी, आयरन और कैल्शियम पर्याप्त मात्रा में होते हैं। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने संचालन करते हुए कहा कि दैनिक जीवन शैली व ऋतु अनुसार खान पान से स्वस्थ रहा जा सकता है। मुख्य अतिथि मधु बेदी व अध्यक्ष विद्योत्तमा झा ने भी स्वास्थ्य लाभ की जानकारियां दी। राष्ट्रीय मंत्री प्रवीण आर्य ने दैनिक सुबह व्ययाम करने खुश रहने का सुझाव दिया। गायिका प्रवीना ठक्कर, प्रतिभा कटारिया, जनक अरोड़ा, कुसुम भंड़ारी, रजनी गर्ग, रजनी चुघ, कमला हंस, रविन्द्र गुप्ता, दीप्ति सपरा, शोभा बत्रा, बिन्दु मदान, नरेश प्रसाद कमलेश चांदन के मधुर भजन हुए! उक्त जानकारी मीडिया प्रभारी प्रवीण आर्य ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

आरबीआई ने बैंकों को जारी किया निर्देश

बकाया वसूली के लिए ग्राहकों को नहीं धमका सकते बैंक, नियम एक जुलाई होगा से लागू

मुंबई। बैंक बकाया वसूली के लिए तीसरी पार्टी के जरिए अब ग्राहकों को डरा-धमका नहीं सकेंगे। आरबीआई ने गुरुवार को इस संबंध में बैंकों को सख्त निर्देश दिए हैं। इसके अलावा बैंक और अन्य वित्तीय संस्थान ग्राहकों की मंजूरी के बिना डेबिट/क्रेडिट कार्ड न तो जारी कर सकेंगे और न ही अपग्रेड या एक्टिव कर सकेंगे। ऐसा करने पर कार्ड जारी करने वाले को सभी शुल्क ग्राहक को वापस करने होंगे। साथ ही क्रेडिट कार्ड बिल का दोगुना जुर्माना भी देना पड़ेगा। नया नियम एक जुलाई 2022 से लागू होगा। आरबीआई ने कहा कि जिस व्यक्ति का कार्ड पर नाम है, वह ऐसे करने वाले बैंकों और अन्य वित्तीय संस्थानों के खिलाफ केंद्रीय बैंक के लोकपास से शिकायत कर सकता है। इसमें समय के नुकसान, खर्च और उत्पीड़न के साथ मानसिक प्रताड़ना से जुड़ीं शिकायतें भी दर्ज कराई जा सकती हैं। आरबीआई के मुताबिक, जिन व्यवसायिक बैंकों की नेटवर्थ 100 करोड़ रुपये से ज्यादा है, वे भी अब क्रेडिट कार्ड बिजनेस कर सकते हैं। वे चाहें तो इसके लिए एनबीएफसी, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक और अन्य बैंक के साथ मिलकर इसे कर सकते हैं।

एनबीएफसी क्रेडिट कार्ड का कारोबार नहीं कर सकतीं

रिजर्व बैंक ने सर्कुलर में कहा कि बिना मंजूरी के गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियां (एनबीएफसी) क्रेडिट और डेबिट कार्ड का कारोबार नहीं कर सकतीं। न ही वे इस तरह के किसी और कारोबार को कर सकती हैं। केंद्रीय बैंक ने बैंकों से यह सुनिश्चित करने को कहा है कि वे ग्राहकों से वसूली के मामले में अपने एजेंट को सही तरीके से काम करने के लिए कहें। ऐसा नहीं करने पर बैंक और वित्तीय कंपनियां अपना विश्वास खो सकती हैं।

कार्ड की सुविधा का लाभ उठाने के लिए बाध्य नहीं कर सकते

रिजर्व बैंक ने कहा कि बैंकों को किसी ग्राहक को डेबिट कार्ड सुविधा का लाभ उठाने के लिए बाध्य नहीं करना चाहिए और न ही किसी अन्य सेवा के लाभ के लिए डेबिट कार्ड को कहीं लिंक करना चाहिए। केंद्रीय बैंक ने यह भी कहा कि कार्ड जारी करने वाले बैंक या कंपनियां ग्राहकों को शिकायतों के समाधान के लिए एक तंत्र स्थापित करें और इसका प्रचार भी करें।

कॉल सेंटर को पर्याप्त प्रशिक्षण दें

सर्कुलर के मुताबिक, कार्ड जारी करने वाली कंपनी यह सुनिश्चित करेगी कि उनके कॉल सेंटर के कर्मचारियों को पर्याप्त रूप से प्रशिक्षित किया गया है, ताकि वे शिकायतों को सक्षम तरीके से सुलझा सकें। उसने कहा है कि कार्ड जारी करने वाला शिकायतकर्ता को उसके वित्तीय नुकसान, मानसिक पीड़ा के लिए मुआवजा देने का जिम्मेदार होगा। यदि शिकायतकर्ता को शिकायत दर्ज करने की तारीख से अधिकतम एक महीने के समय के भीतर कार्ड जारी करने वाले से संतोषजनक प्रतिक्रिया नहीं मिलती है तो उसके पास शिकायतों के निवारण के लिए रिजर्व बैंक के लोकपाल से संपर्क करने का विकल्प होगा।

दिल्ली के लोगों को बड़ी राहत: एहतियाती खुराक हुई निशुल्क, सरकारी केंद्रों पर लगेगा टीका, सरकार ने ये विकल्प भी दिया

नई दिल्ली। कोरोना संक्रमण के लगातार बढ़ते मामलों के बीच दिल्ली के लोगों को बड़ी राहत मिली है। देश में पहली बार दिल्ली में कोरोना रोधी टीके की एहतियाती खुराक को निशुल्क किया गया है। बृहस्पतिवार को दिल्ली सरकार ने आदेश जारी कर कहा है कि 18 से 59 साल की आयु वालों को सरकारी टीकाकरण केंद्रों पर एहतियाती खुराक निशुल्क मिलेगी। हालांकि सरकार ने प्राइवेट टीकाकरण केंद्रों पर रिहायती शुल्क के साथ भी एहतियाती खुराक उपलब्ध रहने का विकल्प भी दिया। साथ ही कोविन वेबसाइट पर भी जानकारी को अपडेट कराया गया है। कोरोना रोधी टीका की दूसरी खुराक लेने के नौ माह पूरे होने के बाद ही एहतियाती खुराक ली जा सकती है। हाल ही में स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने दिल्ली वालों को निशुल्क एहतियाती खुराक देने की घोषणा की थी। लेकिन विभाग की ओर से लिखित आदेश अब जारी हुए। अभी तक देश के किसी भी राज्य में 18 से 59 साल की आयु वालों को निशुल्क एहतियाती खुराक नहीं मिल रही है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

कानपुर में पुलिस की पकड़ से अभी भी बाहर एटीएम हैकरों का साथी हेड कांस्टेबल

एटीएम हैकरों से मिलने वाले लाभ में हिस्सा लेते रहे पुलिसकर्मी भी बचाने में जुटे

एक आईपीएस से भी फरार हेड कांस्टेबल से मधुर संबंधों की भी हो रही चर्चा

संवाददाता/सुनील बाजपेई

कानपुर। कुख्यात एटीएम हैकर अमित चौहान को गिरफ्तार किए जाने के बाद यहां की कमिश्नरेट पुलिस अब उसके साथी हेड कांस्टेबल अमित चौधरी की तलाश में जुटी हुई है लेकिन उसे अब तक गिरफ्तार करने में सफलता नहीं मिल पाई है, क्योंकि उसके कुछ सहयोगी पुलिस वाले ही उसे बचाने की कोशिश कर रहे हैं। पुलिस सूत्रों का दावा है कि फरार हेड कांस्टेबल अमित चौधरी के दोनों मोबाइल नंबर बंद होने से उसका सुराग नहीं लगा है। इसी के साथ सूत्रों का दावा यह भी है कि निलंबित हेडकांस्टेबल विभाग के ही कुछ लोगों के संपर्क में हैं, जो उसकी मदद कर रहे हैं। अवगत कराते चलें कि बीते सोमवार की देर रात कमिश्नरेट पुलिस की क्राइम ब्रांच ने चकेरी निवासी एटीएम हैकर अमित चौहान को गिरफ्तार किया था। जिसके अगले दिन उसे जेल भेज दिया गया था। इसके पहले पुलिस हेड कांस्टेबल अमित चौधरी से हुई पूछताछ में क्राइम ब्रांच में तैनात अमित चौधरी का नाम प्रकाश में आया था। लेकिन इसके पहले कि पुलिस उस तक पहुंचती वह फरार हो गया। आरोप है कि निलंबित सिपाही आपराधिक गतिविधियों से आर्थिक लाभ कमाता था और साथियों को भी देता था। इस बीच उसके एक आईपीएस से भी मधुर संबंधों की चर्चा प्रकाश में आई है। जानकारी के मुताबिक शहर में कई थानों में तैनाती के दौरान उसने कभी वर्दी नहीं पहनी। वह स्पेशल सेल, क्राइम ब्रांच, एसओजी आदि में तैनाती बताकर लोगों को अपना शिकार बनाता था। जिसके चलते आम जनता के साथ ही विभागीय लोगों ने भी उसका उपनाम अमित उर्फ शिकारी रखा था। फिलहाल अधिकारियों का दावा है कि फरार आरोपी हेड कांस्टेबल को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। इसके लिए पुलिस की कई टीमें भी लगाई गई हैं।

हजरत मुफ्ती अब्दुल सलाम का तैतिसवां उर्स धूमधाम से मनाया

मुंबई हलचल/अरमान उल हक

संभल। संभल के मोहल्ला सराय तरीन में स्थित मदरसा जामिया इस्लामिया नजरउल उलूम में मखदूम मिल्लत एकेडमी के तत्वाधान में मखदूम ए मिल्लत हजरत मुफ्ती अब्दुल सलाम का सालाना 33 वां उर्स का आयोजन बड़ी धूमधाम से किया गया। चादरपोशी कर कुल की रस्म अदायगी के साथ कौम और मिल्लत की सलामती और खुशहाली के लिए दुआ की गई। इस मौके पर जलसे का आयोजन किया गया जिसकी शुरूआत कारी अकबर अली ने तिलावते कलाम ए पाक से की। नईमुद्दीन बरकाती, मुहम्मद अली, मोलाना फारुक, मौलाना तालिब मिस्बाही, कारी शौकत आदि ने नातो मनकबत का नजराना पेश किया। मौलाना अब्बास अजमली ने कहा मुफ्ती अब्दुस सलाम रह० सादगी, ईमानदारी, नेकी और अच्छाई की मिसाल थे। उन्होंने बताया कि मखदूम ए मिल्लत अपने उस्तादों का बेपनाह एहतराम करते थे। मौलाना तालिब मिस्बाही ने कहा कि सरायतरीन में जामिया इस्लामिया और फैजुल उलूम मदरसा दोनों इन्हीं के कायम किये हुए हैं। उनकी दरगाह के तालुक से उन्होंने कहा यह खानकाहे ही हिन्दू मुस्लिम एकता एवं सौहार्द का काम कर रही हैं। यहां हर समुदाय को फैज मिलता है। मौलाना जियाउल मुस्तफा ने जकात पर तफसील से रोशनी डाली और औलिया किराम की अजमत और फजीलत बयान की। मौलाना कामिल मिस्बाही ने रमजान की अहमियत बताई और कहा कि रमजान मुसलमानो के लिए बहुत एहम है। मौलाना नफीस अख्तर ने कहा कि बुजुर्गों की बारगाह में हाजरी देते रहना चाहिए क्योंकि बुजुर्गों और वलियों के मजारात पर जाने से सुकून भी मिलता है और अल्लाह भी खुश होता है। औलिया के बताए रास्ते पर चलने से दीन, दुनिया और आखिरत सब सँवर जाता है। इस मौके दरगाह पर सैकड़ो जायरीनों ने हाजरी दी और दुआएं माँगी। सज्जादानशीन मुफ़्ती जाहिद अली सलामी ने आये हुए सभी मेहमानों और जायरीनों का शुक्रिया अदा किया। आखिर में सलातो सलाम के बाद मोलाना मुफ़्ती जाहिद अली सलामी ने कौम के लिए दुआ कराई। संचालन मौलाना आदिल मिसबाही ने किया। सालाना फातिहा में मुख्य रूप से काईद मिल्लत मोलाना नफीस अख्तर, मौलाना अली, मोलाना शाकिर, मौलाना अब्बास, मौलाना आलिम, मौलाना शौकत, मौलाना जुबैर सलामी, मौलाना आमिर, मौलाना आलमगीर, मौलाना राहत अजीजी, मौलाना आरिफ, मौलाना शराफत, मौलाना इम्तियाज, हाफिज इम्तियाज, मौलाना अजीजुर्रहमान, मौलाना अल्कमा, हाफिज जाहिद, हाफिज माहे आलम, मौलाना गुलफाम, शारिक जीलानी, ताहिर सलामी, कलीम अशरफ, जुनैद सलामी, जकी सलामी, मसरूर सलामी, हुजैफा नोशाही, मौलाना आरिफ, मौलाना महबूब, मुकीम, नूर इलाही, शराफत हुसैन, उमर चचा, अली हुसैन आदि मौजूद रहे।

नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने की निशानेबाजों की घोषणा

मुंबई। नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने भारतीय टीम के लिए निशानेबाजों की सूची की घोषणा की है, जिसमें डोंबिवली के गन फॉर ग्लोरी शूटिंग अकादमी की निशानेबाज शिखा अमरीश नंदा का १० मीटर एयर राइफल युवा टीम में और शर्वरी जितेंद्र भोईर का १० मीटर एयर पिस्टल युवा टीम में चयन किया गया हैं। खेल के शुरूआती प्रशिक्षण से लेकर भारतीय निशानेबाजी टीम में चुने जाने तक दोनों निशानेबाजों ने सीनियर कोच संयुक्ता गुप्ते के मार्गदर्शन में कड़ा प्रशिक्षण लिया हैं। ये दोनों खिलाडी इसी तरह मेहनत करके आंतरराष्ट्रीय स्तरपर अपने देश का नाम जरुर रौशन करेंगे, ऐसा विश्वास गन फॉर ग्लोरी शूटिंग अकादमी, मुंबई के संचालक धीरज सिंह ने व्यक्त किया।

कानपुर में 26 अप्रैल को बार एसोसिएशन का चुनाव

नोटिस बोर्ड पर सूचना भी चस्पा

संवाददाता/सुनील बाजपेई

कानपुर। यहां की बार एसोसिएशन का चुनाव कराने की तैयारी कर दी गई है' यह आगामी 26 अप्रैल को कराया जाएगा। इसके लिए सुबह 8:30 बजे से शाम 5 बजे तक डीएवी कालेज में मतदान होगा। यह निर्णय संयुक्त पुलिस आयुक्त के साथ हुई बैठक के बाद एल्डर्स कमेटी ने लिया है। इस संबंध में नोटिस बोर्ड पर सूचना भी चस्पा कर दी गई है। साथ ही चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशियों से पुनर्मतदान के खर्च के लिए शुल्क जमा करने को कहा गया है। एल्डर्स कमेटी ने मतदान का समय भी तय कर दिया है। सुबह 8:30 बजे से शाम 5 बजे तक डीएवी कालेज में मतदान होगा। बताते चलें कि बार एसोसिएशन के चुनाव बीते वर्ष 17 दिसंबर को कचहरी परिसर में हुए थे। फर्जी मतदान व धांधली का आरोप लगाकर वकीलों ने हंगामा कर दिया था। इसी दौरान कचहरी परिसर के अंदर एक अधिवक्ता की गोली लगने से मौत भी हो गई थी। जिसके बाद एल्डर्स कमेटी ने मतदान निरस्त कर दिया था। वहीं दूसरी ओर यह मामला यूपी बार काउंसिल, बार काउंसिल आफ इंडिया, हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट तक गया था। इसके पहले एल्डर्स कमेटी ने कई तारीख प्रस्तावित की लेकिन चुनाव हर बार टलता रहा। अब एल्डर्स कमेटी ने 26 अप्रैल को डीएवी कालेज में पुनर्मतदान कराने की घोषणा कर दी है। मिली जानकारी के मुताबिक यह पुनर्मतदान क्यूआर कोड से होगा । साथ ही मतदान को शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने के लिए पुलिस ने अपनी भी रणनीति तैयार कर ली है।

स्वस्थ दिमाग के लिए जरूरी हैं 8 घंटे की नींद

आजकल अपनी फिटनेस को लेकर लोग काफी सजग रहते हैं। तरह-तरह का खाना और वर्कआउट के तरीकों के जानने के लिए हमेशा उत्सुक रहते हैं, आज हम भी आपको हैल्थ से जुड़े छोटे-छोटे टिप्स बताएंगे, जो आपकी डेली रुटीन में बहुत काम आने वाले हैं। तो चलिए जानते हैं आपकी सेहत को और भी निखारने के लिए सेहत से जुड़े कुछ सिंपल से टिप्स।

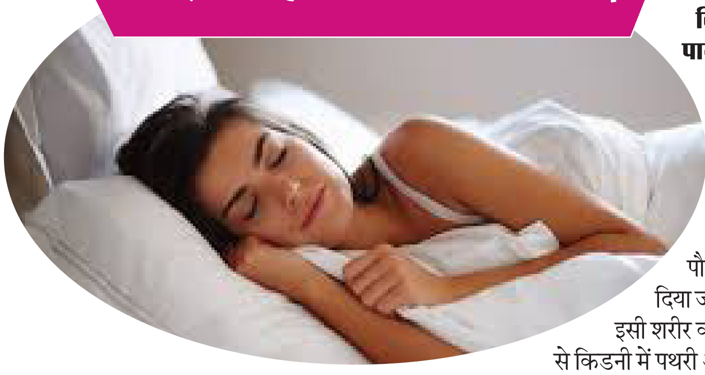

8 घंटे की नींद जरूरी

दुनिया भर में 40,000 से अधिक लोगों पर एक शोध करने के बाद सामने आया कि पूरी 8 घंटे नींद लेने वाले लोग कम सोने वालों की अपेक्षा में अधिक आत्मविश्वास से भरपूर और तंदरुसत होते है। मस्तिष्क को अपना अच्छा प्रर्दशन करने के लिए कम से कम 8 घंटे की नींद तो अवश्य चाहिए ही होती है।

किडनी के लिए पानी

दिन में 7 से 8 गिलास पानी का सेवन हमें किडनी के रोगों से बचाता है। गुर्दे शरीर में तरल पदार्थ को नियंत्रित करते हैं। अगर पौधों के रोजाना पानी न दिया जाए तो वह सूख जाते हैं। इसी शरीर को पर्याप्त पानी न मिलने से किडनी में पथरी और न जाने कौन-कौन से बीमारियां आकर घेर लेंगी।

लिवर के लिए छोड़े जंक फूड

तला भुना खाना लिवर को बहुत ज्यादा नुकसान पहुंचाता है। अधिक कार्बोहाईड्रेट वाला भोजन जैसे कि पिज्जा, बर्गर, सफेद चावल, चीनी जैसे पदार्थों में बहुत अधिक शर्करा होती है। जब आप ज्यादा चिकनाहट वाला खाना खाते हैं तो लिवर अपना काम सही ढंग से नहीं कर पाता। इसलिए जितना हो सके उतना कम जंक फूड का सेवन करें।

पैरों के लिए मसाज

रोज रात को नारियल के तेल से, पैरों के तलवों की मालिश करने से पूरे दिन की थकान पल भर में दूर हो जाती है। ऐसा करने से नींद भी बहुत अच्छी आती है। साथ ही ऐसा करने से आंखो को बहुत ज्यादा फायदा मिलता है। आपको मसाज के साथ कुछ स्पैशल पवांइटस को भी प्रैस करना है। जिन बच्चों को छोटी उमर में ही चश्मा लग चुका है, रोजाना पैरो की मसाज से उनको चशमा तक हट सकता है।

पेट के लिए कोल्ड फूड

अक्सर गर्मियों में गर्मी से राहत पाने के लिए हम आइसक्रीमज या कोल्ड ड्रिंक्स का सहारा लेते हैं। कुछ देर तो हमें गर्मी से राहत मिलती है, पर इनका नुकसान हमारे पेट को सबसे ज्यादा भुगतना पड़ता है। ठंडी चीजें हमारे शरीर के मेटाबॉलिज्म को वीक कर देती हैं। जिससे शरीर का वजन भी बढ़ने लगता है।

रात में न पिएं पानी

शाम को 6 बजे का बाद पानी का सेवन जरुरत महसूस होने पर ही पीना चाहिए। रात को सोने से पहले अपनी युरीन बैग जरुर खाली करके ही सोएं। अगर आप रात को ज्यादा पानी पिएंगे तो आपकी रात की नींद डिस्टर्ब होगी। हो सकता है आपको नींद में पता न चले, रात भर इस तरह सोने से किडनी पर बुरा असर पड़ता है।

कच्चा प्याज जरूर खाएं

कच्चे प्याज को सलाद में खाने के फायदे ही फायदे हैं। सबसे अधिक बैनिफिट यूरीनरी ट्रैक्ट को होता है। प्याज में चमत्कारी औषधीय गुण बाथरुम के रास्ते में जर्मस पैदा नहीं होने देता।

पीरियड्स में जरूर करें मटर का सेवन

मटरों में मौजूद जिंक, मैगनीज और तांबा माहवारी के दिनों में ताकत देने का काम करते हैं। कच्चे मटरों का सेवन आपको नहीं करना है। इन्हें सब्जी या सूप में शामिल किया जा सकता है। इसके अलावा जिन औरतों को माहवारी नियमित रुप में नहीं होती, उनके लिए भी मटरो का सेवन बहुत फायदेमंद होता है।

अगर नहीं पसंद नाशपती तो फायदे जानकर शुरू कर देंगे खाना

नाशपाती गर्मियों में मिलने वाला एक ऐसा फल है, जो खाने में स्वादिष्ट होने के साथ-साथ सेहत के लिए भी वरदान है। इसमें मौजूद विटामिन्स, मिनरल्स और अन्य पोषक तत्व शरीर में खून की कमी को पूरा करने के साथ-साथ हड्डियों भी मजबूत बनाते हैं। इतना ही नहीं, इसका इस्तेमाल आप ब्यूटी प्रॉब्लम्स से छुटकारा पाने के लिए भी कर सकते हैं। चलिए आज हम आपको बताते हैं नाशपाती के कुछ जबरदस्त फायदे।

नाशपाती के फायदे

खून की कमी

नाशपाती में भरपूर आयरन होता है जो शरीर में हीमोग्लोबिन को बढ़ाता है। जिन लोगों को एनीमिया की शिकायत होती है उन्हे रोजाना 1 नाशपाती खाना चाहिए। आप चाहे तो इसका जूस या स्मूदी बनाकर भी पी सकते हैं।

इम्यून सिस्टम

रोजाना 1 नाशपाती का सेवन इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाता है, जिससे आप बैक्टीरियल और इंफैक्शनल बीमारियों से बचे रहते हैं। इसके अलावा इसका सेवन पाचन क्रिया को भी मजबूत बनाता है।

मजबूत हड्डियां

नाशपाती में बोरोन नाम का तत्व होता है जो हड्डियों को मजबूत बनाता है। रोजाना एक नाशपाती खाने से मांसपेशियों की कई समस्याएं दूर होती हैं।

वजन घटाए

अगर आप तेजी से वजन घटाना चाहते हैं तो इसे अपनी डाइट का हिस्सा जरूर बनाएं। इसमें फाइबर की भरपूर मात्रा होती है, जिससे भूख कंट्रोल में रहती है। साथ ही यह मेटाबॉलिज्म को बूस्ट करके वजन घटाने में मदद करता है।

डायबिटीज रोगियों के लिए फायदेमंद

डायबिटीज के रोगी ज्यादा मीठा नहीं खा पाते और न ही कोई मीठा फल खाते हैं लेकिन नाशपाती के मीठा होने के बावजूद भी डायबिटीज के रोगी इस फल को खा सकते हैं जिससे कोई परेशानी नहीं होती।

कोलेस्ट्रॉल को करे कंट्रोल

नाशपाती में फाइबर की अच्छी मात्रा होती है, जो कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करती है और आपको दिल की बीमारियों से बचाती है। इसके अलावा इससे अथेरोस्क्लेरोसिस, हार्ट अटैक और स्ट्रोक जैसी बीमारियों का खतरा भी कम होता है।

कैंसर से बचाव

नाशपाती में मौजूद एंटी कैसरोजेनिक गुण कैंसर की रोकथाम में मददगार हैं। ऐसा इसलिए कि अन्य फलों की तुलना में इसमें अधिक एंटीऑक्सिडेंट पाएं जाते हैं।

नाशपाती के ब्यूटी बेनिफिट्स

रूखापन करें दूर

नाशपाती पल्प में ग्लिसरीन की कुछ बूंदें डालकर गाढ़ा पेस्ट बनाएं। इसे चेहरे पर 20 मिनट तक लगा रहने दें। जब त्वचा इस मिश्रण को अच्छे से सोख ले तो चेहरे को गुनगुने पानी से धोएं। इससे त्वचा में नमी बनी रहेगी और वो ड्राई नहीं होगी।

मुंहासे हो जाते हैं कम

नाशपाती ऐसे लोगों की स्किन के लिए काफी अच्छा है, जिन्हें मुंहासों की समस्या रहती है। इसमें विटामिन और मिनरल्स प्रचुर मात्रा में होते हैं, जो स्किन इंफैक्शन, मुंहासों और दाग-धब्बों की समस्याओं को दूर रखते हैं।

ऑयली स्किन से निजात

नाशपाती पल्प में शहद मिलाकर चेहरे पर 10-15 मिनट तक लगाएं और फिर पानी से धो लें। हफ्ते में 2-3 बार इसका यूज करें। इससे सेबेशियल ग्लेंड्स के ओवर सीक्रेशन में कमी आएगी, जिससे त्वचा ज्यादा ऑयल प्रोड्यूस नहीं करेगी।

झुर्रियां भगाएं

इस फेस मास्क का इस्तेमाल त्वचा को जवां रखने में भी मदद करता है। इसमें विटामिन सी, फ्लेवेनॉएड जैसे एंटीऑक्सिडेंटल कंपाउंड्स होते हैं, जो फ्री रेडिकल्स को नियंत्रित करते हैं और शरीर को ऑक्सिडेटिव से बचाते हैं। इससे त्वचा लंबे समय तक जवां नजर आती है।

हेयर पैक लगाएं

हेयर पैक बनाने के लिए नाशपाती को पीसकर उसमें शिया बटर, नारियल तेल और शहद मिलाएं। अब इस पेस्ट को तीस मिनट के लिए बालों में लगाएं और शॉवर कैप से ढक दें। हफ्ते में 1 बार इस पैक का इस्तेमाल बालों को लंबा, घना और मजबूत बनाएगा। साथ ही इससे बाल शाइनी भी होंगे।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

केएल राहुल–आथिया शेट्टी करेंगे शादी

इन दिनों छोटे पर्दे से लेकर बॉलीवुड तक में मानों वेडिंग सीजन चल रहा हो। एक के बाद एक किसी न किसी की शादी की खबर सामने आ रही है। अब इसी बीच एक और जोड़ी का नाम जुड़ने वाला है। बता दें, आलिया और रणबीर की शादी के बाद अब सुनील शेट्टी की बेटी अथिया शेट्टी और क्रिकेटर केएल राहुल की शादी की खबर सामने आ रही है। माना जा रहा है दोनों जल्द ही शादी के बंधंन में बंध सकते हैं। एक खबर के अनुसार दावा किया जा रहा है कि अथिया शेट्टी और केएल राहुल, दोनों कपल की शादी की तैयारियां भी शुरू हो गई है। आपको ये भी बता दें, अथिया शेट्टी और केएल राहुल पिछले तीन साल से ज्यादा समय से एक–दूसरे को डेट कर रहे हैं और फैंस दोनों को जल्द से जल्द शादी करते हुए देखना चाहते हैं। एक्ट्रेस अथिया शेट्टी और क्रिकेटर राहुल की शादी इस साल की 'बिग फैट बॉलीवुड वेडिंग' होने वाली है। साथ बताया जा रहा है कि अथिया शेट्टी और केएल राहुल 2022 की विंटर में शादी करेंगे। जानकारी के अनुसार शेट्टी के करीबी सूत्रों ने बताया कि इसकी तैयारी शुरू हो चुकी है। दंपति के माता–पिता आथिया और केएल राहुल को बहुत पसंद करते हैं और अगर सब कुछ ठीक रहा तो केएल राहुल और अथिया शेट्टी 2022 यानि इस साल के लास्ट तक शादी कर लेंगे। वहीं दोनों की लव स्टोरी के बारे में सोशल मीडिया पर भी काफी वक्त से बातें होती रही हैं। दरअसल, सुनील शेट्टी का परिवार साउथ इंडियन हैं और केएल राहुल भी दक्षिण भारत से ताल्लुक रखते हैं। ऐसे में अथिया और केएल राहुल की शादी दक्षिण भारतीय परंपरा के अनुसार हो सकती है।

अजय देवगन ने किया अपनी नई फिल्म का ऐलान

बॉलीवुड के सिंघम अजय देवगन लम्बे समय से बॉलीवुड से ब्रेक ले चुके हैं। लेकिन अब अजय फिर से अपनी नई रिलीज फिल्म के साथ बड़े पर्दे पर कम बैक करने के लिए तैयार हैं। दरसअल बॉलीवुड एक्टर अजय देवगन ने अपनी नई फिल्म का ऐलान कर दिया है। और इस फिल्म का नाम 'भोला' है। और ये फिल्म अगले साल 30 मार्च, 2023 को रिलीज होगी। वही फिल्म की स्टारकास्ट की बात करे तो फिल्म में अजय देवगन के साथ तब्बू भी बतौर को–एक्ट्रेस नजर आने वली हैं। वही खास बात ये है कि तब्बू अजय देवगन के साथ इससे पहले कई और फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। ऐसे में एक बार फिर से अजय देवगन को तब्बू के साथ देखना फैंस के लिए काफी एक्साइटिंग होगा। वही दोनों की साथ की अधिकांश सिनेमा बड़े पर्दे पर जबरदस्त हिट हुई हैं। और दोनों की जोड़ी को भी भरपूर प्यार मिला हैं। वही खबरों की मानें तो अजय देवगन जल्द ही इस फिल्म की शूटिंग शुरू करेंगे। और ये एक्शन थ्रिलर फिल्म साउथ फिल्म 'कैथी' की रीमेक है। और इस फिल्म में अजय देवगन एक बार फिर से दबंग पुलिस ऑफिसर का रोल निभाते हुए नजर आएंगे। वही इस फिल्म को अजय देवगन, टी सीरीज फिल्म्स, रिलायंस एंटरटेनमेंट और ड्रीम वॉरियर पिक्चर्स के साथ मिलकर प्रोड्यूस कर रहे हैं।

करिश्मा कपूर ने दो साल बाद फिर की बॉलीवुड में वापसी

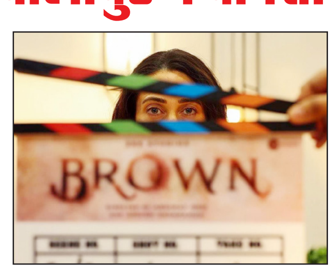

जानकारी के अनुसार, करिश्मा ने अपने नए प्रोजेक्ट की अनाउंसमेंट कर दी है। करिश्मा कपूर दो साल बाद फिर से एक्टिंग करती दिखाई देंगी। करिश्मा ने क्लैपर बोर्ड की एक फोटो शेयर की है, जिस पर 'ब्राउन' लिखा हुआ है। साथ ही फोटो में सिर्फ करिश्मा की आंखें ही नजर आ रही हैं। करिश्मा ने पोस्ट को कैप्शन दिया, 'नई शुरूआत के लिए।' तो वहीं, दूसरी फोटो में करिश्मा ने 'ब्राउन' का एक पोस्टर शेयर किया है, जिसे 'दिल्ली बेली' के डायरेक्टर अभिनय देव ने डायरेक्ट किया है। साथ ये भी खुलासा किया कि वो इस फिल्म में सूर्या शर्मा के साथ स्क्रीन शेयर करेंगी। वहीं सोशल मीडिया पर करिश्मा कपूर की ये फोटो वायरल हो रही है। साथ ही ब्राउन के लिए सूर्या शर्मा ने भी लिखा, अनाउंसमेंट: हम अपने अगले प्रोजेक्ट ब्राउन के बारे में बताते हुए बहुत खुश हैं। ये एक क्राइम ड्रामा जिसमें खूबसूरत और प्रतिभाशाली एक्ट्रेस करिश्मा कपूर हैं। इस फिल्म को अभिनय देव निर्देशित करेंगे। बता दें, अभिनय देव भी इस फिल्म के लिए बहुत एक्साइटेड हैं।